पुलिस महानिदेशकों का अखिल भारतीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने **जयपुर, राजस्थान में पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षकों के 58वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।**

मुख्य बिंदु:

- यह **तीन दिवसीय कार्यक्रम था जिसे हाइब्रिड मोड** में पुलिस महानिदेशक (DGP), पुलिस महानिरीक्षक (IGP) तथा केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के साथ आयोजित किया गया था।
- आयोजित सम्मेलन में **साइबर अपराध, पुलिस व्यवस्था में प्रौद्योगिकी, आतंकवाद-रोधी चुनौतियाँ, वामपंथी उग्रवाद तथा जेल सुधार** एवं आंतरिक सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।
- सम्मेलन का एक अन्य प्रमुख एजेंडा **नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के लिये रोड मैप** पर विचार-विमर्श है।
- **इंटेलिजेंस ब्यूरो ने वर्ष 1920 में भारत में IGP का पहला सम्मेलन आयोजित किया था** और तब से, ये सम्मेलन नियमित रूप से नई दिल्ली में आयोजित किये जा रहे हैं।
    - **आज़ादी के बाद आयोजित इस तरह के पहले सम्मेलन का उद्घाटन 12 जनवरी 1950 को देश के पहले गृह मंत्री** सरदार वल्लभभाई पटेल **ने किया था।**
    - प्रारंभ में, **यह एक द्विवार्षिक कार्यक्रम था, लेकिन वर्ष 1973 के बाद,** यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस संगठनों के साथ-साथ केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के लिये एक वार्षिक बैठक बन गई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/all-india-conference-of-director-generals-of-police-1